an>

Title: Need to give remunerative price to onion growers in the country.

श्री प्रह्लाद सिंह पटेल (दमोह) : सभापति महोदय, पाँच दिन के नोटिस के बाद आज मौका मिला है।

सभापति जी, किसान के प्याज का मूल्य मध्य प्रदेश की रतलाम मंडी में 20 पैसे प्रति किलो है। परसों मुफ्त में प्याज़ बँटी। हम अकालग्रस्त सूखाग्रस्त भी हैं। मैं आपके माध्यम से उन राज्य सरकारों को, जो केन्द्र सरकार के खिलाफ अभियान छेड़ते रहते हैं, वे अब कहां हैं। मैं चाहता हूँ कि अभी भारत सरकार के मंत्री जी ने कहा कि वे 15 लाख टन प्याज़ खरीदेंगे। प्याज़ ऐसी चीज़ है जो 30 दिन के बाद सड़ने लगती है। अगर किसान उसको रखेगा तो किसान को उसका नुकसान उठाना पड़ेगा। मैं आपके माध्यम से निवेदन करना चाहता हूँ कि जो राज्य सरकारें ज्यादा प्याज़ की खपत करती हैं, केन्द्र सरकार हस्तक्षेप करके उनसे कहे कि वे प्याज़ भी खरीदें और उनका प्रोक्योरमैंट करें क्योंकि उसको रखना आसान नहीं होता है, वह कोल्ड स्टोरेज के बगैर साबुत नहीं रहता है। सभापति महोदय, मैं तो प्याज़ नहीं खाता लेकिन कम से कम उस किसान के बारे में सोचना होगा जो वास्तव में इस त्रासदी में कि हम सूखे से भी एक तरफ पीड़ित हैं और एक व्यापारी ने कहा है कि 9 रुपये किलो से कम अगर प्याज़ बिकेगी तो कभी किसान को फायदा नहीं हो सकता है। आज देश में 40 रुपये किलो तक प्याज़ बिक रही है, उसके संरक्षण की ज़रूरत है।

माननीय सभापति :

श्री भैरों प्रसाद मिश्र और

श्री पुÂष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्री राजेन्द्र अग्रवाल द्वारा उठाए गए विÂषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।